

## Fifth ADVISORY 2023 for the management of apple diseases

### **Department of Plant Pathology**


#### **Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry Nauni, Solan-Himachal Pradesh**

On the basis of periodical field surveys conducted by the scientists of the Department of Plant Pathology, visible symptoms of foliar diseases viz. Alternaria leaf blight and Pre-mature leaf fall has been recorded in the districts of Himachal Pradesh. Keeping in view these observations, following advisory is issued to the farmers:

The epidemiological conditions were congenial for occurrence and spread of Pre-mature leaf fall and Alternaria leaf blight. The orchards where the diseases were prevailing, spray of fungicides are recommended as per spray schedule given by the Directorate of Horticulture and Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry, Nauni Solan HP. Farmers should continuously monitor the status of this disease and need based application of fungicides should be done as per following recommendation.

- For the management of Alternaria leaf spot/blight, Premature leaf fall and fruit rot the farmers are advised to spray if the need arise, metiram 55% + pyraclostrobin 5% WG (200gm / 200L of water) or fluopyram 17.7% w/w + tebuconazole 17.7% w/w SC (126ml / 200L of water) or hexaconazole 4% + zineb 68% WP (600gm / 200L of water).
- To prevent the development of apple scab or fly speck or bitter rot, the farmers are advised to spray if the need arise, captan or ziram (600gm / 200L of water) or hexaconazole 4% + zineb 68% WP (600gm / 200L of water).
- In those areas where harvesting have been completed, spray of copper oxychloride @ 600gm/200L should be done within 24 hours of harvesting to avoid the infection and spread of different cankers due to the injuries caused to the plants.

Overall, focus should be directed on the management of Pre-mature leaf fall, Alternaria leaf blight, scab, fly speck or bitter rot, and the need-based applications of fungicides as mentioned in the spray schedule should be done. Farmers are also advised to report the symptoms of the diseases with photographs and queries, if any on [hodmpp2014@gmail.com](mailto:hodmpp2014@gmail.com).

  
6/10/23  
Professor & Head  
Department of Plant Pathology  
Dr. Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Nauni (Solan)

## सेब रोगों के प्रबंधन के लिए पांचवीं सलाह 2023

### पादप रोग विज्ञान विभाग

डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी, सोलन-हिमाचल प्रदेश

पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए आवधिक क्षेत्र सर्वेक्षणों के आधार पर, पर्ण रोगों के दृश्यमान लक्षण में हिमाचल प्रदेश के जिलों में अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट और समय से पहले पत्ती गिरना दर्ज किया गया है। इन अवलोकनों को ध्यान में रखते हुए, किसानों को निम्नलिखित सलाह जारी की जाती है:

इस अवधि के दौरान, समय से पहले पत्ती गिरना और अल्टरनेरिया पत्ती झुलसा रोग का विस्तार और महामारी प्रसार की स्थितियाँ अनुकूल थीं, जिसके लक्षण राज्य के बगीचों में देखे गए थे। जिन बागों में रोग व्याप्त थे, उनमें बागवानी निदेशालय और डॉ. वाई एस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी सोलन एच.पी. द्वारा दिए गए स्प्रे शेड्यूल के अनुसार फफूंदनाशकों के छिड़काव की सिफारिश की जाती है। किसानों को इस रोग की स्थिति पर लगातार निगरानी तथा फफूंदनाशकों का आवश्यकता आधारित प्रयोग निम्नलिखित अनुशंसा के अनुसार किया जाना चाहिए।

- अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट/ब्लाइट, समय से पहले पत्ती गिरने और फलों के सड़ने के प्रबंधन के लिए किसानों को जरूरत पड़ने पर मेटिरम 55% + पायराक्लोस्ट्रोबिन 5% WG (200 ग्राम/200 लीटर पानी) मेटिरम 55% + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% WG (200 ग्राम / 200 लीटर पानी) या फ्लुओपाइरम 17.7% w/w + टेबुकोनाज़ोल 17.7% w/w SC (126 मिली / 200 लीटर पानी) या हेक्साकोनाज़ोल 4% + जिनेब 68% WP (600 ग्राम / 200 लीटर पानी) स्प्रे करने की सलाह दी जाती है।
- सेब की पपड़ी या फलाई स्पेक या कड़वे सड़न के विकास को रोकने के लिए, किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि आवश्यकता हो तो कैप्टान या ज़िरम (600 ग्राम / 200 लीटर पानी) या हेक्साकोनाज़ोल 4% + जिनेब 68% WP (600 ग्राम / 200 लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- जिन क्षेत्रों में तुड़ाई पूरी हो चुकी है, पौधों को होने वाली चोटों के कारण विभिन्न कैंकर के संक्रमण और प्रसार से बचने के लिए तुड़ाई के 24 घंटे के भीतर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @ 600 ग्राम/200 लीटर का छिड़काव किया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, समय से पहले पत्ती गिरना, अल्टरनेरिया पत्ती का झुलसना, पपड़ी, मक्खी का धब्बा या कड़वा सड़न के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और स्प्रे अनुसूची में उल्लिखित फफूंदनाशकों का आवश्यकता-आधारित अनुप्रयोग किया जाना चाहिए। किसानों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे बीमारियों के लक्षणों की जानकारी तस्वीरों और प्रश्नों के साथ hodmpp2014@gmail.com पर दें।

  
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

Professor & Head  
Deptt. of Plant Pathology  
DR. Y.S.P. UHF Naini, Solan-173 230